यह है कि उत्पादन बढ़ाया जाय और समाज की वास्तविक बचतों को बढ़ावा दिया जाय ।

युद्धपोतों का निर्माण

1921. **श्री मूल चन्द डागा :** क्या **रक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में कहां-कहां युद्ध पोतों का निर्माण किया जा रहा है और अभी तक कुल कितने युद्धपोतों का निर्माण किया गया है ;

(ख) क्या अपनी जरूरत के युद्धपोतों के डिजायन बनाने के लिए अभी भी विदेशी सहायता पर निर्भर रहना पड़ता है ; और

(ग) यदि हां, तो दूसरे क्या कारण हैं और इसके लिए देश में अपेक्षित अनुभव और योग्यता प्राप्त विशेषज्ञ कब तक उपलब्ध हो जायेंगे ?

रक्षा मंत्रालय (रक्षा उत्पादन) में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) फ्रिगेट का निर्माण मजगांव डाक लिमिटेड बम्बई, द्वारा हमारे देश में हो रहा है। एक फ्रिगेट का निर्माण तथा सुसज्जित करने का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा इसके इस समय परीक्षण हो रहे हैं। दो अन्य फ्रिगेटों के निर्माण तथा सज्जित करने का कार्य विभिन्न चरणों में है। मजगांव डाक को 3 फ्रिगेट बनाने का निश्चित आदेश है तथा 3 और फ्रिगेट बनाने के लिए आश्य-पत्र दिए गये हैं, इस प्रकार कुल फ्रिगेटों का कुल योग 6 है ।

(ख) और (ग). यह सत्य है कि फ्रिगेट के डिजाइन कार्य के लिए हम विदेशी सुविज्ञता पर अभी भी निर्भर हैं। इसके निम्नलिखित कारण हैं :—

(1) आधुनिक फ्रिगेट बहुत ही जटिल ढंग के होते हैं तथा हमारे पास इनके डिजाइन के कार्य को खुद करने के लिए, पर्याप्त अनुभव तथा क्षमता नहीं है।

(2) फ्रिगेट के डिजाइन कार्य में संगठनों की एक बड़ी संख्या में भाग लेती है —जैसे कि नौसेना, जलपोत निर्माता तथा अन्य प्रमुख हथियार तथा उपकरणों के निर्माणकर्ता, इनमें से प्रत्येक को अपने व्यक्तिगत क्षेत्र में पर्याप्त सुविज्ञता का विकास करना होगा, इससे पूर्व कि वे साथ मिलकर युद्धपोतों के डिजाइन को तैयार करें।

(3) इस प्रकार के नौसेना जलयानों के लिए विदेशी स्रोतों से भी डिजाइन-कर्ता कठिनाई से उपलब्ध होते हैं क्योंकि उनकी मांग बहुत अधिक है ।

1970 में नौसेना मुख्यालय कार्यालय के अन्तर्गत एक नौसेना डिजाइन संगठन की स्थापना की गई है तथा इस संगठन में उपयुक्त कार्य-कुशलता को आकर्षित करने के प्रयत्न किए जा रहे हैं। विदेशी क्रमों के साथ डिजाइन कार्य हेतु सहयोग तथा भारतीय अफसरों के प्रशिक्षण का प्रश्न भी उनके विचाराधीन है। तथापि यह अभी कहना कठिन है कि बिना विदेशी सहयोग के फ्रिगेट के डिजाइन कार्य को सम्पन्न करने के लिए पर्याप्त संख्या में डिजाइनर जिनको उपयुक्त योग्यता तथा अनुभव हो, देश में किस समय तक उपलब्ध हो जायेंगे ।

भारत द्वारा हथियारों का निर्यात

1922. **श्री मूल चन्द डागा :** क्या **रक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत ने किस प्रकार के हथियारों का निर्यात शुरू कर दिया है ; और

(ख) इस निर्यात के लिए क्या सैद्धान्तिक आधार बनाया गया है और कौन-कौन से देशों को यह निर्यात किया जा रहा है ?

रक्षा मंत्रालय (रक्षा उत्पादन) में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) और (ख). आयुध कारखानों की उत्पादन क्षमताओं का